

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 897]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 30, 2003/आश्विन 8, 1925

No. 897]

NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 30, 2003/ASVINA 8, 1925

वित्त मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 2003

का.आ. 1136(अ).— केन्द्रीय सरकार ने, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन जम्मू-कश्मीर राज्य में कम्पनियों के कतिपय दस्तावेजों को फाइल करने में अन्तर्विष्ट अभियोजन से उन्मुक्ति प्रदान करने और विलम्ब की अवधि के प्रशमन के लिए कंपनी विधि समाधान (जम्मू - कश्मीर)स्कीम, 2003 नाम से एक स्कीम बनाने का विनिश्चय किया है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 637 के साथ पठित धारा 637ख के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित स्कीम अधिसूचित करती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ -

- (1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम कंपनी विधि समाधान (जम्मू - कश्मीर)स्कीम, 2003 है ।
- (2) यह 1 अक्टूबर, 2003 को प्रवृत्त होगी ।

2. परिभाषाएं - इस स्कीम में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,-

- (क). “ अधिनियम” से कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) अभिप्रेत है;

- (ख) “ कम्पनी ” से अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत कोई कम्पनी (जिसके अन्तर्गत सरकारी कम्पनी भी है) अभिप्रेत है और जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय जम्मू - कश्मीर राज्य में है ;
- (ग) “ घोषणाकर्ता ” से इस स्कीम के अन्तर्गत घोषणा करने वाली कम्पनी अभिप्रेत है और इसमें ऐसी कम्पनी का, इस स्कीम के अन्तर्गत फाइल की गई घोषणा में वर्णित अपराध के संबंध में, अधिनियम की धारा 2 के खण्ड 30 में यथा परिभाषित अधिकारी सम्मिलित है ;
- (घ) “ अभिहित प्राधिकारी ” से कम्पनी का रजिस्ट्रार, जम्मू - कश्मीर अभिप्रेत है;
- (ङ) “ अपराध ” से अधिनियम में विनिर्दिष्ट किन्हीं दस्तावेजों को फाइल करने के संबंध में अधिनियम के उपबन्धों का ऐसा अननुपालन अभिप्रेत है, जिस अननुपालन के संबंध में जुर्माना या कारावास या दोनों विहित किए गए हैं, किन्तु इसमें स्कीम के खण्ड 8 में निर्दिष्ट अननुपालन सम्मिलित नहीं है ;
- (च) अन्य सभी प्रयुक्त शब्दों और पदों के, जो स्कीम में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, क्रमशः वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में हैं ।

3. अपराधों का समाधान -

कोई कम्पनी, इस स्कीम के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, 1 अक्टूबर, 2003 को या उसके पश्चात् किन्तु 31 मार्च, 2004 के सांय 5.00 बजे तक या उससे पूर्व, अभिहित प्राधिकारी को, अधिनियम के अधीन किए गए किसी अपराध की बाबत, विहित फीस के संदाय के प्रमाण के साथ, अभिरक्षीकृति के अधीन घोषणा कर सकेगा और इस प्रकार किए गए अपराध के समाधान की वांछा कर सकेगा ।

4. आवेदक द्वारा अभिहित प्राधिकारी को फाइल की जाने वाली घोषणा -

स्कीम के अधीन घोषणा, अभिहित प्राधिकारी को प्ररूप ‘ क ’ में की जाएगी ।

5. स्कीम के अधीन उन्मुक्ति की वांछ के लिए फीस के संदाय का समय और रीति -

घोषणाकर्ता, विलम्ब की अवधि के आधार पर एकमुश्त राशि का संदाय करेगा और नीचे दी गई सारणी में कथित एकमुश्त राशि के अलावा अधिनियम की अनुसूची X के अनुसार अभिहित फाइलिंग फीस का संदाय करेगा -

सारणी

क्रम सं०	दस्तावेजों की सं०	3 वर्ष से न्यून विलम्ब के लिए संदेय राशि	3 वर्ष से अधिक अवधि के विलम्ब के लिए संदेय राशि
(क)	2 तक	2,500 रु०	3,000 रु०
(ख)	5 तक	5,000 रु०	6,000 रु०
(ग)	10 तक	7,500 रु०	9,000 रु०
(घ)	10 से अधिक	10,000 रु०	15,000 रु०

संदेय राशि को चालान फार्म के साथ पंजाब नेशनल बैंक की अभिहित शाखाओं में से किसी में या कम्पनी रजिस्ट्रार, जम्मू-कश्मीर को संदाय आदेश या संदेय मांग ड्राफ्ट द्वारा जमा किया जाएगा। स्कीम के अधीन उन्मुक्ति की वांछ के लिए संदाय की गई कोई राशि किसी भी परिस्थिति में प्रतिदाय योग्य नहीं होगी।

6. अपराध के लिए घालू किए गए अभियोजन के विरुद्ध अपील का वापस लिया जाना -

यदि कंपनी ने, अधिनियम के अधीन किसी उपबंध के ऐसे अतिक्रमण के लिए जारी किसी सूचना के विरुद्ध कोई अपील फाइल की है, जिसकी बाबत स्कीम के अधीन घोषणा की गई है, तो घोषणाकर्ता, अपील को वापस लेगा और घोषणा के साथ वापस लेने का प्रमाण ऐसे प्रस्तुत करेगा।

7. अभिहित प्राधिकारी द्वारा शास्ति और अभियोजन से उन्मुक्ति प्रदान करने का आदेश -

अभिहित प्राधिकारी, घोषणा पर विचार करेगा और समाधान हो जाने पर लिखित में एक आदेश पारित करेगा जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ उन्मुक्ति प्रदान करने के कारणों का कथन होगा।

8. स्कीम कतिपय अपराधों को लागू नहीं -

(1) यह स्कीम, कंपनी की प्राधिकृत पूंजी को, बढ़ाने की बाबत, जिसमें विलम्ब की प्रज्ञापना फाइल करने के लिए विनिर्दिष्ट ब्याज का संदाय किया जाता है, प्ररूप सं० 5 को फाइल करने और अधिनियम के ऐसे उपबन्धों को, जहां कम्पनी विधि बोर्ड या केन्द्रीय सरकार का विनिर्दिष्ट अनुमोदन अभिप्राप्त किया जाना है, लागू नहीं होगी :

परन्तु स्कीम ऐसी प्रज्ञापनाओं को लागू होगी, जिन्हें कम्पनी रजिस्ट्रार को, विहित फीस के साथ भेजा जाना है किन्तु जिनके लिए विनिर्दिष्ट प्ररूप विनिर्दिष्ट नहीं किए गए हैं।

(2) यह स्कीम अधिनियम के उपबन्धों के ऐसे अननुपालन को भी लागू नहीं होगी, जिनके लिए केवल कारावास की शास्ति विहित की गई है।

9. कंपनी रजिस्ट्रार, जम्मू-कश्मीर समुचित आदेश पारित करने के पश्चात् ऐसे सम्बद्ध न्यायालय या क्षेत्रीय निदेशक या कंपनी विधि बोर्ड को सूचित करेगा, जिनके समक्ष समुचित मामलों में अभियोजन के लिए मामला या प्रशमन आवेदन लंबित है।

प्ररूप “क”

कम्पनी विधि समाधान (जम्मू-कश्मीर) स्कीम, 2003 के अधीन घोषणा
घोषणा का प्ररूप

सेवा में,

कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
जम्मू-कश्मीर

महोदय / महोदया

मैं / हम कम्पनी विधि समाधान (जम्मू-कश्मीर) स्कीम, 2003 के अधीन घोषणा करता हूं / करते हैं और निम्नलिखित विशिष्टियां देता हूं / देते हैं, अर्थात् :-

1. घोषणा करने वाले का नाम
और पता (स्पष्ट अक्षरों में) :
2. कंपनी का नाम :
3. कंपनी की रजिस्ट्रीकरण सं० :
4. कंपनी के निगमन की तारीख :
5. कंपनी का पता :
6. कंपनी की प्रकृति: क्या पब्लिक/प्राइवेट है। यदि पब्लिक है, सूचीबद्ध/सूचीबद्ध नहीं है:
7. कम्पनी का कारबार / उद्देश्य :

(समुचित स्तम्भ में सही का निशान लगाएं)

-----विनिर्माण-----

-----व्यापार-----

-----वित्तीय-----

-----सेवा-----

-----अन्य (कृपया विनिर्दिष्ट करें)-----

8. अननुपालन की घोषणा का विवरण

क्रम सं०	विवरणी की प्रकृति जो फाइल की जानी है	धारा जिसके अधीन फाइल की जानी है	अपराध की प्रास्थिति (क्या वह अभी चालू है)

9.

क्रम सं०	दस्तावेज की प्रकृति	फाइल करने की नियत तारीख	विलम्ब की अवधि	कम्पनी विधि समाधान (जम्मू-कश्मीर) स्कीम, 2003 के अधीन संदेय रकम (रुपयों में)	संदाय के ब्यौरे (क) मांग ड्राफ्ट सं० (ख) तारीख (ग) बैंक का नाम (घ) रकम (रुपयों में)

कम्पनी का रजिस्ट्रीकरण सं०

प्रबन्ध निदेशक/पूर्णकालिक निदेशक/ निदेशक /
प्रबन्धक/कम्पनी सचिव के हस्ताक्षर

10. क्या कंपनी की तरफ से घोषणाकर्ता अननुपालन के लिए उन्मुक्ति लेना चाहेंगे।

11. निवेदन :

इसमें ऊपर उल्लिखित परिस्थितियों को देखते हुए और आवेदक / कंपनी द्वारा किए गए अपराध की स्वीकृति को ध्यान में रखते हुए, अपराध की प्रकृति, व्याप्ति, विस्तार, गंभीरता, गहनता को विचार में लेकर, स्वयं आवेदक / कंपनी अननुपालन के लिए अनुतोष के रूप में उन्मुक्ति प्रदान करने के लिए प्रार्थना करता है / करती है।

12. संलग्नकों की सूची

आवेदक का पदनाम / हस्ताक्षर

(घोषणाकर्ता की मुद्रा)

स्थान :

तारीख :

सत्यापन

मैं-----श्री-----का पुत्र / पुत्री / पत्नी -----

कंपनी में -----की मेरी हैसियत में सत्यनिष्ठा से यह घोषणा करता हूं / करती हूं कि -----

(क) इस घोषणा में दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही है ।

(ख) कंपनी ने ऊपर यथावर्णित अधिनियम के उपबन्धों का पालन करने में चूक की थी ।

(ग) मैंने न्यायालय /कंपनी विधि बोर्ड / क्षेत्रीय निदेशक या अन्य न्यायनिर्णयन प्राधिकारी के समक्ष लम्बित अपील वापस ले ली है ।

मैं यह और घोषणा करता हूं/ करती हूं कि यह घोषणा मेरे प्रबन्ध निदेशक/निदेशक के रूप में मेरी हैसियत के अधीन है और मैं इस घोषणा को करने और सत्यापित करने के लिए सक्षम हूं ।

तारीख :

आवेदक का पदनाम / हस्ताक्षर

स्थान :

(घोषणाकर्ता की मुद्रा)

कम्पनी विधि समाधान (जम्मू-कश्मीर) स्कीम, 2003 के अन्तर्गत शास्ति और अभियोजन से
उन्मुक्ति देने हेतु प्रमाणपत्र

----- (जिसे इसमें इसके पश्चात् कम्पनी कहा गया है) ने कम्पनी विधि समाधान (जम्मू-कश्मीर) स्कीम, 2003 के अन्तर्गत एक घोषणा की थी और घोषणा के साथ नीचे वर्णित दस्तावेज फाइल किए थे और उक्त घोषणा के अनुसार संदेय -----रुपए की प्रशमन फीस भी संदत्त की थी :

क्रम सं०	फाइल किए जाने वाले विवरण का स्वरूप	वह धारा जिसके अन्तर्गत फाइल किया जाना है

और घोषणाकर्ता ने यह भी घोषणा की थी कि ऐसे आवेदक द्वारा किसी भी न्यायालय / कंपनी विधि बोर्ड / क्षेत्रीय निदेशक के समक्ष संदेय जुर्माने की बाबत किसी सूचना या आदेश के विरुद्ध कोई भी याचिका या अपील फाइल नहीं की गई थी न्यायालय / कंपनी विधि बोर्ड / क्षेत्रीय निदेशक से ऐसी अपील / रिट याचिका वापस ले ली गई थी ।

अतः अब, अधोहस्ताक्षरी इस स्कीम के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित प्रयोजनों से उक्त कम्पनी को यह प्रमाणपत्र जारी करता है :-

- (क) इस स्कीम के अन्तर्गत प्रशमन फीस के पूर्ण और अन्तिम समाधान मद्दे के लिए घोषणाकर्ता से संदाय की प्राप्ति को प्रमाणित करना ।
- (ख) घोषणाकर्ता द्वारा की गई उपर्युक्त घोषणा के अन्तर्गत मामलों के संबंध में स्कीम में अन्तर्विष्ट उपबन्धों के अधीन रहते हुए अधिनियम के अन्तर्गत किसी भी अपराध के लिए अभियोजन संस्थित करने और कार्यवाही करने से या तत्समय प्रवृत्त उक्त अधिनियम के अन्तर्गत शास्ति अधिरोपित करने से, उन्मुक्ति प्रदान करना ।

स्थान :

तारीख :

अभिहित प्राधिकारी

[फा. सं. 17/27/2002-सीएल. V]

राजीव महर्षि, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th September, 2003

S.O. 1136(F).— Whereas the Central Government has decided to make a Scheme namely, the Company Law Settlement (Jammu and Kashmir) Scheme, 2003 for granting immunity from prosecution and compounding the period of delay involving in filing certain documents under the Companies Act, 1956 (1 of 1956) to companies in the state of Jammu and Kashmir;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of section 637B read with section 637 of the said Act, the Central Government hereby notifies the following Scheme, namely:-

1. Short title and commencement.- (1) This Scheme may be called the Company Law Settlement (Jammu and Kashmir) Scheme, 2003.
(2) It shall come into force on the 1st October, 2003.
2. Definitions.- In this Scheme, unless the context otherwise requires, -
 - (a) "Act" means the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
 - (b) "company" means a company (including a Government company) registered under the Act and having its registered office in the state of Jammu and Kashmir;
 - (c) "declarant" means the company making the declaration under this Scheme and includes an officer of such company as defined in clause 30 of section 2 of the Act in relation to the offence mentioned in the declaration filed under this Scheme;
 - (d) "designated authority" means the Registrar of Companies, Jammu and Kashmir;
 - (e) "offence" means the non-compliance with the provisions of the Act in relation to the filing of any documents specified in the Act in respect of non-compliance of which a fine or imprisonment or both has been prescribed but shall not include any non-compliance referred to in clause 8 of this Scheme;
 - (f) All other words and expressions used and not defined under this Scheme, but defined in the Act, shall have the meanings respectively assigned to them in the Act;
3. Settlement of offences.- Subject to the provisions of this Scheme, any company may make a declaration alongwith proof of payment of prescribed fee under acknowledgement on or after the 1st day of October, 2003 but on or before 5.00 PM of the 31st day of March, 2004 to the designated authority in respect of any offence committed under the Act and seek settlement of the offence so committed.

4. Declaration to be filed by the applicant with the designated authority.- The declaration under the Scheme shall be made to the designated authority in Form A.

5. Time and manner of payment of fees for seeking immunity under the Scheme.- The declarant shall pay lump sum amount based on the period of delay and the nominal filing fees as per Schedule X to the Act, apart from the lump sum amount as stated in the table given below:-

Table

Sl. No:	Number of documents	Amount payable for delay less than 3 years	Amount payable for delay for period more than 3 years
a)	Upto 2	Rs.2,500	Rs.3,000
b)	Upto 5	Rs.5,000	Rs.6,000
c)	Upto 10	Rs.7,500	Rs.9,000
d)	More than 10	Rs.10,000	Rs.15,000

The amount payable shall be deposited along with a challan Form in any of the designated Branches of the Punjab National Bank or by way of Pay Order or Demand Draft payable to the Registrar of Companies, Jammu and Kashmir. Any sum paid for seeking immunity under the Scheme shall not be refundable under any circumstances.

6. Withdrawal of appeal against prosecution launched for the offences.- If the company has filed any appeal against any notice issued for violation of the provisions under the Act in respect of which declaration is made under this Scheme, the declarant shall withdraw the appeal and furnish the proof of such withdrawal along with the declaration.

7. Order by designated authority granting immunity from the penalty and prosecution.- The designated authority shall consider the declaration and upon being satisfied shall pass an order in writing inter-alia stating the reasons for granting the immunity.

8. Scheme not to apply to certain offences. - (1) This Scheme shall not apply to the filing of Form Number 5 relating to increase in authorised capital of the company for which specific interest has to be paid for filing the intimation for the delay and such other provisions of the Act where specific approval of the Company Law Board or Central Government is to be obtained:

Provided that the Scheme shall apply to such intimations which are to be submitted to the Registrar of Companies along with the prescribed fees but for which no specific form has been specified.

(2) This Scheme shall also not apply for non-compliance of the provisions of the Act where the penalty of imprisonment only has been prescribed.

9. After passing the appropriate order, the Registrar of Companies, Jammu and Kashmir shall inform the concerned Court or Regional Director or Company Law Board before whom the matter for prosecution or compounding application is pending in appropriate cases.

FORM - 'A'
DECLARATION UNDER
COMPANY LAW SETTLEMENT (Jammu and Kashmir) SCHEME, 2003

Form of Declaration

To

The Registrar of Companies,
Jammu and Kashmir

Sir/Madam,

I/We herewith make a declaration under the Company Law Settlement (Jammu and Kashmir) Scheme, 2003 and give below the following particulars, namely:-

1. Name of the declarant and Address:
(In Block letters)
2. Name of the Company:
3. Registration No. of company:
4. Date of incorporation of the company:
5. Address of the Company:
6. Status of the company: whether public/private

If public Listed/Non-listed

7. Business/objects of the company:
(Tick in appropriate column)

-Manufacturing _____
 -Trading _____
 -Finance _____
 -Service _____
 -Others (please specify) _____

8. Statement of Declaration of non-compliance

Sl.No	Nature of return to be filed	Section under which to be filed	Status of offence (whether still Continuing)

9.

Sl.No	Nature of document	Due date of filing	Period of delay	Amount payable under Company Law Settlement (Jammu and Kashmir) Scheme, 2003 (Rs.)	Details of payment a) Demand Draft No. b) Date c) Name of Bank d) Amount (Rs)

Company Registration No.

Signature of the Managing Director / Whole Time Director / Director / Manager / Company Secretary

10. Whether declarant on behalf of the company would like to be granted immunity for non-compliance ?

11. Submission:

In light of the circumstances herein mentioned above and keeping in mind the admission of the offence by the applicant/company and taking into consideration the nature, scope, extent, seriousness, gravity of the offence, the applicant/company, himself requests for the grant of immunity in the form of relief for non-compliance.

12. List of enclosures.

Designation/Signature of the applicant

Place:

Date:

(SEAL OF DECLARANT)

VERIFICATION

I.....son/daughter /wife of Shri.....in my capacity as.....in the company, solemnly declare that –

(a) the information given in this declaration is true to the best of my knowledge and belief.

- (b) The company had failed to comply with the provisions of the Act as mentioned above.
- (c) I have withdrawn the appeals pending before Court/Company Law Board /Regional Director or other adjudicating authority.

I further declare that this declaration is in my capacity as the Managing Director/Director and that I am competent to make this declaration and verify it.

Designation/Signature of the applicant

Date:

Place:

(SEAL OF DECLARANT)

CERTIFICATE GRANTING IMMUNITY FROM PENALTY AND PROSECUTION UNDER THE COMPANY LAW SETTLEMENT (Jammu and Kashmir) SCHEME, 2003

Whereas _____ (hereinafter referred to as the company) had made a declaration under the Company Law Settlement (Jammu and Kashmir) Scheme, 2003, and had filed the documents mentioned below along with the declaration and also paid the compounding fee of Rs. _____ payable as per the said declaration:

S.No.	Nature of return to be filed	Section under which to be filed

And, whereas, the declarant had also declared that no petition or appeal before any Court/Company Law Board/ Regional Director against any notice or order in respect of the fine payable has been filed by such applicant / had withdrawn such appeal / writ petition from the Court/Company Law Board/Regional Director.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred under this Scheme, the undersigned hereby issues this certificate to the said company to:-

- (a) certify receipt of payment from the declarant towards full and final settlement of the compounded fee payable under this scheme;
- (b) grant immunity subject to the provisions contained in the Scheme from instituting and proceeding for prosecution for any offence under the Act, or from the imposition of penalty under the Act for the time being in force in respect of matters covered in the aforesaid declaration made by the declarant.

Date:

Place:

Designated Authority

[F. No. 17/27/2002-CL.V]
RAJIV MEHRISHI, Jt. Secy.